दावोस डायरीः टाटा समूह ने उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश हेतु दिखाई रुचि

लखनऊ/दावोस, 17 जनवरी, 2024:

उत्तर प्रदेश सरकार का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल, वर्तमान में स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भाग ले रहा है, बुधवार को **टाटा समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ)- श्री सौरभ अग्रवाल** के साथ एक बैठक में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सचिव **श्री अमित सिंह** के नेतृत्व में, राज्य के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में निवेश के असीम अवसरों पर प्रकाश डाला, जिसमें **विमानन एवं नवीकरणीय ऊर्जा** क्षेत्रों पर विशेष बल दिया गया। चर्चा के दौरान, श्री अग्रवाल ने इन क्षेत्रों में निवेश करने में टाटा समूह की गहरी रुचि व्यक्त की तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य में निवेश की संभावनाओं की खोज हेतु आश्वस्त किया।

आज दावोस में **2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह-वॉटर रिसोसेज़ ग्रुप)** द्वारा एक स्पॉटलाइट इवेंट भी आयोजित की गई, जिसका शीर्षक **'उत्तर प्रदेश कम कार्बन युक्त स्थायी कृषि हेतु एक निवेश गंतव्य'** (Uttar Pradesh as an Investment Destination for Low Carbon Sustainable Agriculture) था, यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के पवेलियन प्रोमेनेड 49 में आयोजित किया गया था। वैश्विक उद्योग के नेतृत्व तथा सीईओ, जैसे **पॉल बुलके, अध्यक्ष, निदेशक मंडल, नेस्ले**; **जुर्गन वोगेले, उपाध्यक्ष, सतत विकास, विश्व बैंक**; **रणवीर चंद्र, प्रबंध निदेशक व सीटीओ, माइक्रोसॉफ्ट**; **गैबरियाला बुरियन, बेयर की रणनीतिक सहभागिता की निदेशक**; **जय श्रॉफ, चेयरमैन एवं ग्रुप सीईओ-यूपीएल**; तथा **माइकल वेबस्टर, कार्यक्रम निदेशक 2030 डब्ल्यूआरजी** आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया, इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार की सतत कृषि हेतु प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में **कृषि उत्पादन आयुक्त तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, श्री मनोज कुमार सिंह** के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर जोर दिया कि उत्तर प्रदेश, मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है, वर्ष 2030 तक राज्य का उद्देश्य 'राष्ट्र का अन्न-भण्डार' बनने के लक्ष्य को प्राप्त करना है। वंचित वर्ग के बीच भूख एवं कुपोषण को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के विविध क्षेत्रों के अनुरूप **स्थायी कृषि प्रथाओं** के लिए अपनी योजना पर प्रकाश डाला।